8 जोधपुर, शुक्रवार, 22 अक्टूबर 2021
dainiknavajyoti.com
जोधपुर
दैनिक नवज्योति

ना डाक्टर के पास जाने का झंझट और ना ही मोटी फीस चुकाने का टेंशन, सब कुछ अब आपके मोबाइल पर

एकीकृत और कागज रहित स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए मेडिफ्री डिजिटल मोबाईल एप लॉन्च

जोधपुर/नवज्योति। देश के वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम ने एक अनोखा मोबाईल एप विकसित किया है। जिससे अब देश में कहीं से भी एकीकृत स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया जा सकता है। भारत में बना यह मोबाइल एप स्वास्थ्य सेवाओं को पूर्णतः कागज-रहित बनाने की ओर एक महत्वपुर्ण कदम हैं। इस एप से रोगियों को चिकित्सकों, लैबोरेटरी, डायग्नोस्टिक सेंटर और केमिस्ट की सेवाएँ एक ही मंच पर एकीकृत ढंग इस मिलती है। यह इस तरह का देश का पहला एप हैं, जहां ऐलोपथी, होम्योपैथी और आयुर्वेद पद्धति के डॉक्टर एक ही मंच पर उपलब्ध हैं।

नि:शुल्क पंजीकरण की सुविधा

इस एप पर रोगी खुद को नि:शुल्क पंजीकृत करवा सकते हैं। जिसके उपरांत उन्हें मेडिकल रेकॉर्ड्स के लिए 12 एमबी का डिजिटल स्पेस मुफ्त दिया जाता है। इस एप द्वारा डॉक्टर से संपर्क करने पर रोगी की अनुमति से वह मेडिकल रेकॉर्ड्स को मोबाइल फोन पर ही देख सकता है। यह ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म है जहां पर सभी सेवा प्रदाता साझा मंच से सेवाएँ प्रदान करते हैं। जिससे समय और पेसे की बचत होगी। हालांकि हमारा मानना है कि रोगी को एक वार अवश्य डॉक्टर से मिलने जाना चाहिए, क्योंकि चिकित्सा विज्ञान में यह बहुत जरूरी होता है सर्दी और जूकाम जैसे मामूली रोगों के लिए ऑनलाइन उपचार हो सकता हैं। यह कहना है कोटा-स्थित डॉ. पीयूष चत्तर, सह डायरेक्टर मेडिफ्री डिजिटल का।

क्या है मेडिफ्री डिजिटल मंच

मेडिफ्री डिजिटल निष्पक्ष मंच है। क्योंकि यह एप किसी भी डॉक्टर, केमिस्ट या लैब को बढ़ावा नहीं देता है, रोगी किस की सेवाएँ लेना चाहता है यह उसी पर निर्भर होता है। इस एप में रजिस्टर होने से पहले इसके फायदों के विडियों देख सकते हैं। जिससे वह खुद से फैसला ले सकते हैं कि यह सुविधा उनके फायदे की है या नहीं। सभी विडियों मेडिफ्री यू-ट्यूब चैनल पर उपलब्ध हैं। एक स्वस्थ व्यक्ति भी खुद को इस एप पर पंजीकृत कर सकता है यह एप गूगल प्लेस्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है और उसका इऑस वर्जन भी जल्द उपलब्ध होगा।

यह है प्रक्रिया

पंजीकृत रोगियों को डॉक्टर द्वारा दिया गया नुस्खा एस एम एस, ई-मेल और एप मैसेज द्वारा भेज जाता है जबकि जो रोगी पंजीकृत नहीं है उन्हें नुस्खा ई-मेल और द्वारा भेज जाता है। रोगियों की गोपनीयता के लिए विश्व का सबसे विश्वसनीय सॉफ्टवेयर ऐमज़ान वेब सर्वर एडब्ल्यूएस का इस्तेमाल किया गया है। इसके बावजूद भी पंजीकरण और स्पेस के लिए रोगियों से कोई पैसा नहीं लिया जाता है। हालांकि सेवा प्रदाता अपने हिसाब से सेवाओं के लिए फीस लेते हैं। मेडिफ्री सॉफ्टवेयर संपर्क रहित सेवा होने के कारण संक्रमण से बचाव भी करेगा जिनसे कोरोना वायरस, स्वाइन फ्लू और अस्पताल में होने वाले संक्रमण से भी बचाव होगा।

मेडिकल टुरिजम के लिए वरदान

यह सुविधा भारत में मेडिकल टुरिज़्म के लिए वरदान साबित होगी। यह कहना है मेडिफ्री डिजिटल की नई दिल्ली स्थित को-डायरेक्टर डॉ. पूनम बजाज का। कागज-रहित इस मोबाइल एप पर काम करना अमरीका में कागज रहित कम्प्यूटर स्वास्थ्य सेवाओं पर काम करने के लिए ज्यादा सुविधा जनक हैं। डॉ. बजाज कहती है कि डॉक्टरों के लिए भी इस एप पर नुस्खा लिखना आसान है क्योंकि उन्हें एक ही वार दवा का नाम लिखना होगा और वह ऑटो सेव हो जाएगा। रोगियों को सलाह लेने के लिए अब शहरों की तरफ नहीं आना पड़ेगा क्योंकि वह पैसे देकर कॉल से किसी भी डॉक्टर या स्पेशलिस्ट से बात कर सकते हैं और डॉक्टर मोबाइल फोन पर ही रोगी का मेडिकल रिकार्ड देख सकेगा।

यह है फैक्ट फाइल

भारत में 12 लाख से ज्यादा एलोपथी, 2.5 लाख डेंटल और 9 लाख आयुष पद्धति के पंजीकृत डॉक्टर रोजाना 1.5 करोड़ लोगों का उपचार करते हैं। अमरीका में विश्व की सबसे विकसित कम्प्यूटर द्वारा संचालित हेल्थकेयर सेवाएं है। जिसमें वहाँ रहने वाले हर व्यक्ति की स्वास्थ्य रिपोर्ट उपलब्ध हैं। मेडिफ्री डिजिटल लगभग इसी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास है, जो मोबाईल पर दी जा रही हैं। अमरीका में सतत घरेलू उत्पाद का 18 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च करते है जबकि भारत में यह प्रतिशत केवल 2 प्रतिशत है हालांकि यहाँ की जनसंख्या यूएसए से चार गुना ज्यादा हैं।

NEWS in BOX

डॉ.निशा वुमन बॉटनेस्ट पुरस्कार से सम्मानित

नवज्योति/जोधपुर। व्यास विश्वविद्यालय में आयोजित

घर में कैद रीसस मकाक बंदर को वन विभाग की टीम ने कराया मुक्त

मुक्त कराने के साथ आरोपी के खिलाफअपराधिक मुकदमा भी किया गया दर्ज

उनके खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया। आरओ भूरा राम, निरमा विश्नोई, सुरेश व भगवान राम के अलावा अन्य टीम द्वारा कार्यवाही को अंजाम दिया गया और बंदर

मजदूर संवर्ग, निराश्रितों और जैन साधु साध्वियों का वैक्सीनेशन करवाने की पहल की

शाबास, समाजसेवी जैन ने एक लाख लाभार्थियों का करवाया वैक्सीनेशन